समाजशास्त्र का उद्भव

(Emergence of Sociology)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

समाजशास्त्र: परिचय

- **सामाजिक विज्ञान:** मानवीय समाज, अंतःक्रियाओं व व्यवहारों के विविध पक्षों का अध्ययन किया जाता है।
- समाजशास्त्र को समस्त सामाजिक विज्ञानों में सबसे अधिक जटिल माना गया है क्योंकि यह सामूहिक व्यवहारों तथा मानवीय संबंधों व अंतःक्रियाओं के वैज्ञानिक अध्ययन पर केंद्रित रहता है।
- समाजशास्त्र एक नवीन अकादमिक सामाजिक विज्ञान है, जिसका अभ्युदय 19वीं शताब्दी में होता है।
- 'समाजशास्त्र' शब्द अंग्रेजी के 'Sociology' का हिन्दी रूपांतरण है तथा यह दो शब्दों 'Socious' (लैटिन) व 'Logos' (ग्रीक) से मिलकर बना है।
- समाजशास्त्र की उत्पत्ति आधुनिकता की प्रक्रिया के साथ ही आरंभ होती है।

आधुनिकता क्या है?

- **यूरोप:** 1800 के लगभग
- Modernity: George Ritzer *'Modern Sociological Theory'*
  - ❑ Thinking New or Thinking Different
  - ❑ Opposing the Tradition
  - ❑ A Comparative Process

समाजशास्त्र की उत्पत्ति

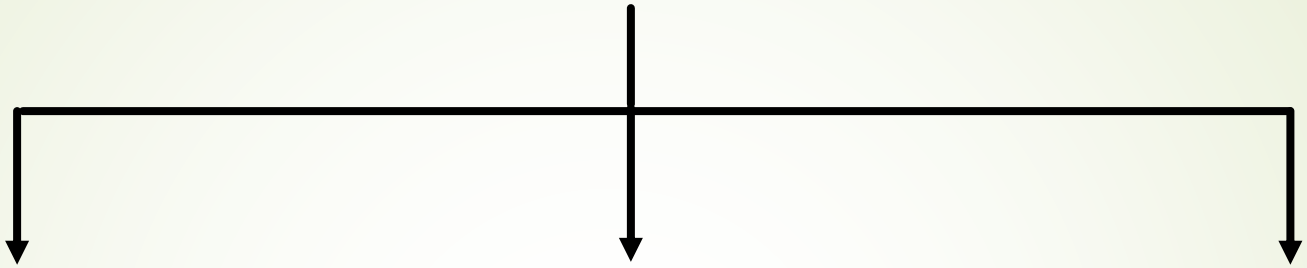

ऐतिहासिक कारक

- वाणिज्यिक क्रांति
- वैज्ञानिक क्रांति

बौद्धिक कारक

सामाजिक कारक

- औद्योगिक क्रांति
- फ्रांसीसी क्रांति

समाजशास्त्र की उत्पत्ति के लिए यूरोप की ऐतिहासिक दशाएँ तथा तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियाँ तो जिम्मेदार थीं, साथ ही इसमें वे बौद्धिक संवेदनाएँ भी शामिल थीं, जो सेंट साइमन, अगस्त कॉम्ट, कार्ल मार्क्स, ईमाइल दुर्खीम आदि चिंतकों के विचारों द्वारा अभिव्यक्त हुआ।

ऐतिहासिक कारक

वाणिज्यिक क्रांति (14वीं-15वीं शताब्दी)

- सिल्क, मसाले व अन्य वस्तुओं की खोज
- समुद्री मार्ग से व्यापार के नए मार्गों की खोज
- व्यापार क्षेत्र व आय के नवीन श्रोत की खोज
- आर्थिक स्थिति में सुधार

वैज्ञानिक क्रांति (रेनेसा): 13वीं शताब्दी

- धार्मिक व कट्टरपंथी विचारों को चुनौती
- कॉपरनिकस, गैलीलियो, विलियम हार्वे, थॉमस एल्वा एडिसन, न्यूटन, जेम्स वॉट आदि।

लौकिक परिप्रेक्ष्य

Cherch: Based on After life

Renaissance: The Worldly Pleasure

बौद्धिक कारक

प्रबोधन युग: Age of Enlightenment

- इस दौरान अनेक आलेख लिखे गए, संगोष्ठियाँ आयोजित हुईं, जिसने यूरोप में एक नए बौद्धिक आंदोलन को जन्म दिया।
- **हीगेल:** *'Philosophy of Right'*
- इस युग का प्रमुख तर्क यह था कि मानव अपने प्रयासों व बुद्धिमत्ता से ही अपनी दीन-हीन दशा से मुक्ति प्राप्त कर सकता है, न कि किसी राजा अथवा ईश्वरीय कृपा से।

सामाजिक कारक

औद्योगिक क्रांति (1760)

- कपास, खनन व परिवहन के क्षेत्र से आरंभ
- कृषि का मशीनीकरण, टेक्सटाइल उद्योग, विनिर्माण व ऊर्जा के क्षेत्र में परिवर्तन
- सामाजिक-सांस्कृतिक व आर्थिक जीवन में परिवर्तन

उपयोगितावादी परिप्रेक्ष्य

Maximum Happiness for Maximum People

फ्रांसीसी क्रांति (1789)

- **समाज का विभाजन**: चर्च (Clergy), राजा-महाराजा (Nobality) तथा सामान्य लोग (Commoners)
- स्वतंत्रता (Liberty)
- समानता (Equality)
- बंधुत्व (Fraternity)

समानतावादी परिप्रेक्ष्य

परिणामस्वरूप आयोजित परिवर्तन

- सामंतवादी समाज से औद्योगिक समाज
- उदारवादी लोकतंत्र
- मध्य वर्ग का उदय

परिवर्तन से उत्पन्न समस्याएँ

- **औद्योगीकरण**
  - श्रमिकों की खराब कार्यकारी स्थिति
  - एकाकी परिवार (घरेलू हिंसा, तलाक, धार्मिक विश्वासों में कमी)
- **उदारवादी लोकतंत्र**
  - नेतृत्व संबंधी चिंता
- **मध्य वर्ग का उदय**
  - नवीन संरचनात्मक परिवर्तन
  - आकांक्षाओं से भरपूर
  - इच्छा पूर्ति को आतुर

समाजशास्त्र का उदय

आधुनिकता की प्रक्रिया ⟶ सामाजिक परिवर्तन ⟶ समस्याएँ

- सामाजिक घटनाओं तथा समस्याओं को समझने हेतु
- इन समस्याओं के वैज्ञानिक निवारण प्रस्तुत करने हेतु
- सामाजिक घटनाओं से संबंधित भविष्यवाणी करने हेतु

धन्यवाद !